बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm- 58
26/01/2020

मछरियावां गांव के महादलित टोले के झंडोत्तोलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुये मुख्यमंत्री

पटना, 26 जनवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पटना जिले के दनियावा प्रखंड स्थित मछरियावां गांव के महादलित टोले में 80 वर्षीय वयोवृद्ध श्री झपसी मोची ने झंडोतोलन किया। गणतंत्र दिवस समारोह में पटना जिलाधिकारी श्री कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर उनका अभिनंदन किया। स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने फूलों की बड़ी माला, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मध्य विद्यालय मछरियावां की छात्राओं ने राष्ट्रगान एवं मुख्यमंत्री के स्वागत में स्वागत गान किया।

झंडोतोलन के पश्चात सतत् जीविकोपार्जन योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन योजना, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री वासस्थल क्रय योजना, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने देय लाभ प्रदान किया। अंधापन निवारण कार्यक्रम के तहत बुजुर्गों को मुख्यमंत्री ने स्वयं चश्मा पहनाकर उन्हें लाभान्वित किया। जीविका समूहों को रोजगार हेतु 1.51 करोड़ रूपये का मुख्यमंत्री ने चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण संबल योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों के बीच ट्राई–साइकिल का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमन्त्री आवास योजना ग्रामीण के तहत नवनिर्मित मकान की चाबी लाभुकों को प्रदान किया। मछरियावां में ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन हेतु कचरा संग्रहण के लिए बॉक्सयुक्त रिक्शा प्रदान किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने समस्त बिहारवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 1950 में गौरवशाली सम्पूर्ण गणराज्य के रूप में संसदीय प्रणाली की नींव रखी गयी थी। स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन सम्पूर्ण बिहार के महादलित टोलों में विशेष रूप से झंडोतोलन समारोह का आयोजन किया जाता है, जहाँ महादलित समाज के स्थानीय वयोवृद्ध के द्वारा ही झंडोतोलन किया जाता है। इन दोनों समारोहों में कहीं न कहीं मैं भी उपस्थित होता हूँ। आज यहाँ श्री झपसी मोची जी ने झंडोतोलन किया हैं, मैं उनको इस अवसर पर विशेष रूप से बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि मेरा लगाव आपलोगों से बहुत पुराना है। आपके आशीर्वाद से ही मैं 5 बार सांसद बना। बी0पी0 सिंह जी की सरकार में मैं राज्यमंत्री रहा और श्रद्धेय अटल जी की सरकार में मंत्री बना। पहले यहाँ रेललाइन और सड़कों की क्या स्थिति थी ? केंद्र में जब मुझे काम करने का मौका मिला, तब फतुहा से बाढ़ तक एन0एच0–30 बना जो छह विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरता है। आपने जो हमें सम्मान दिया है, उसे मैं आजीवन नहीं भूलूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय के साथ विकास के मार्ग पर चलते हुए हमने समाज के हर तबके और हर इलाके का विकास किया है। हमलोगों ने पंचायती राज एवं नगर निकायों के चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया। बिहार के सभी गाँव एवं उसके

टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है, इस वर्ष यह काम पूरा हो जाएगा। 15 अगस्त 2012 को हमने कहा था कि बिजली की स्थिति में सुधार नहीं लायेंगे तो 2015 में वोट मांगने नहीं जायेंगे। बिजली की स्थिति में सुधार लाने के बाद वर्ष 2015 में सम्पूर्ण बिहार के हर इच्छुक परिवार तक बिजली का कनेक्शन पहुँचाने का निर्णय लिया और निर्धारित समय से दो माह पूर्व अक्टूबर 2018 को हमलोगों ने यह काम भी पूरा कर लिया। सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय निर्माण एवं हर घर तक पक्की गली और नाली निर्माण का काम हमलोग इस वर्ष चुनाव में जाने से पहले ही पूरा करा देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहाँ उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने की मांग की गयी है। वर्ष 2005 में जब हमलोगों को काम करने का मौका मिला, उस समय बिहार में परिवार का औसत प्रजनन दर 4.3 था जो अब घटकर 3.2 हो गया है। एक अध्ययन में यह पता चला कि अगर पति–पत्नी में पत्नी मैट्रिक पास है तो देश और बिहार का औसत प्रजनन दर 2 है लेकिन पत्नी इंटर पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7 है, जबकि बिहार का औसत प्रजनन दर 1.6 है। इसके बाद प्रत्येक पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया। अब तक 6,000 पंचायतों में यह खुल चुका है और शेष जगहों पर इस वर्ष के अप्रैल माह तक 9वीं कक्षा की पढ़ाई प्रारंभ हो जायेगी। बांकीपुर मछरियावां पंचायत में भी अप्रैल तक यह सुविधा उपलब्ध होगी। झारखंड जब अलग हुआ तो बिहार में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत था। हरित आवरण बढ़ाने के लिए वर्ष 2012 में मिशन मोड में काम प्रारंभ कर 19 करोड़ पौधे लगायें गये, जिससे बिहार का हरित आवरण अब 15 प्रतिशत हो गया है। बिहार में हरियाली बढ़ाने के लिए साढ़े आठ करोड़ और पौधे लगाये जायेंगे ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण हमलोग सौंप सकें। बिहार में 89 प्रतिशत ग्रामीण आबादी है जहाँ 76 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं इसलिए मौसम के अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम जारी है ताकि किसानों की आमदनी बढाई जा सके। उन्होंने कहा कि खेतों में फसल अवशेष जलाने की परम्परा पर रोक लगानी होगी। मिट्टी की उर्वरा शक्ति के साथ–साथ पर्यावरण के लिए भी यह बहुत ही खतरनाक है। फसल अवशेष पर पुर्णतः प्रतिबंध लगाने के लिए राज्य सरकार किसानों को कृषि यत्रों की खरीद पर 75 प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अतिपिछड़ा समुदाय के किसानों को 80 प्रतिशत का अनुदान देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण उपजे पर्यावरण संकट को देखते हुए हमलोगों ने बिहार में जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की है। 2018 में बिहार के सभी 534 प्रखंडों में से 280 प्रखंड जहाँ सूखा प्रभावित थे, वही वर्ष 2019 में अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि के बाद हुए भारी बारिश से बिहार को जूझना पड़ा। आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण एवं शुद्ध जल मुहैया हो सके इसके लिए हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के जरिये 3 साल में 24 हजार 500 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि खर्च कर जल संरक्षण एवं अधिक से अधिक पेड़ लगाने की दिशा में काम कर रहे हैं, इसके लिए 11 सूत्री कार्यक्रमों का निर्धारण कर तालाब, आहर, पईन, कुआँ, पोखर को अतिक्रमणमुक्त कराने के साथ ही उसका जीर्णोद्धार किया जा रहा है। भूजल स्तर कायम रखने के लिए सरकारी भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग के अलावा कुआँ और चापाकलों के समीप सोख्ता निर्माण कराया जा रहा है। दुनिया के कई देशों में भूजल स्तर समाप्त हो गया है इसलिए जल का सदुपयोग करते हुए जल संरक्षण की दिशा में हम सबको मिलकर काम करना होगा। इसके लिए हमने बिहार के हर जिले की यात्रा कर लोगों को जागरूक किया। इस वर्ष 19 जनवरी को बनी मानव श्रृंखला में 5 करोड़ 16 लाख से भी ज्यादा लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर 18 हजार किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर दुनिया को यह संदेश दिया कि बिहार के लोग जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए दृढसंकल्पित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा ही असली और अक्षय उर्जा है। हमलोग सौर ऊर्जा के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं और इसके लिए सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाये जा रहे हैं। विकास कार्यों के साथ–साथ समाज सुधार और पर्यावरण की रक्षा के लिए हमलोग निरंतर अभियान चलाते रहेंगे, यह हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मछरियावां के वार्ड नंबर 5 में आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में परिणत किया गया है। इसके अलावा यहां की जरूरत को ध्यान में रखते हुए एक अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया जाएगा। बांकीपुर मछरियावां स्वास्थ्य उपकेंद्र को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में परिणत किया जाएगा। स्थानीय लोगों की मांग पर यहाँ मंगल तालाब में छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। एन0एच0–30ए से बांकीपुर मछरियावां तक 2 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 98 लाख रूपये की राशि का आवंटन कर दिया गया है, जिसकी निविदा प्रक्रिया में है। यहाँ 4500 मीटर लंबी जो जमींदारी बाँध है, वह 2019 में हुए भारी वर्षापात के कारण पानी ओवरटॉप होने से क्षतिग्रस्त हो गया है, उसका जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए सर्वेक्षण और प्राक्कलन का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि आप सबो को किसी भी काम के लिए चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खुले में शौच करने से बचिए। अगर लोगों को खुले में शौच से मुक्ति और पीने का स्वच्छ पानी मिल जाए तो 90 प्रतिशत बीमारियों से छुटकारा मिल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही शराबबंदी लागू की गयी। कानून अपना काम कर रहा है और कानून की अपनी एक सीमा है इसलिए चंद जो गड़बड़ करने वाले लोग हैं उन्हें समझाइये और नशामुक्ति के पक्ष में निरंतर अभियान चलाते रहिये। शराबबंदी से पूर्व जो गरीब–गुरबा परिवार दारु और ताड़ी के धंधे में लगे थे, उनके लिए सतत जीविकोपार्जन योजना चलाकर वैकल्पिक रोजगार के लिए उन्हें 60 हजार से एक लाख रूपये का मदद सरकार द्वारा दिया जा रहा है। समाज सुधार के प्रति हम सभी प्रतिबद्ध हैं। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों से समाज को मुक्ति दिलाने के लिए सबको मिलकर काम करना होगा, इससे कई प्रकार की समस्याएं पैदा होती है। गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, एक दूसरे के प्रति मन में इज्जत का भाव रखें और अपना काम बेहतर ढंग से करें, इससे बिहार और देश आगे बढ़ेगा।

कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने सोनारु तालाब का निरीक्षण करने के क्रम में अधिकारियों को उसका सौंदर्यीकरण कराने का निर्देश दिया।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, विधायक श्री रणविजय सिंह, दनियावा प्रखंड प्रमुख श्री मुनीन्द्र कुमार, स्थानीय मुखिया श्रीमती रेणु कुमारी, झंडोतोलनकर्ता श्री झपसी मोची एवं जिलाधिकारी श्री कुमार रवि ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद श्री रविन्द्र कुमार तांती, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना प्रमंडलीय आयुक्त श्री संजय अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक विशेष शाखा श्री जितेन्द्र सिंह गंगवार, पुलिस महानिरीक्षक पटना प्रक्षेत्र श्री संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, उप विकास आयुक्त पटना श्री सुहर्ष भगत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

******